DAWAT-E-ISLAMI
रिसाला नम्बर :135

Selfie Ke 30 Ibratnaak Vaqiaat

सेल्फ़ी के 30 इब्रतनाक वाक़िआ़त

- सांप के साथ सेल्फ़ी महंगी पड़ी 05
- खिलोना पिस्तोल के साथ सेल्फ़ी मौत का सबब बनी 11
- सफ़ेद शेर का निवाला बन गया 10
- पुल से लटक कर सेल्फ़ी 13
- नन्ही डोल्फ़िन अपनी जान से गई 16

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी र-ज़वी دامت برکاتہم العالیہ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ؕ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ؕ

किताब पढ़ने की दुआ़

अज़् : शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه

दीनी किताब या इस्लामी सबक़ पढ़ने से पहले ज़ैल में दी हुई दुआ़ पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَاللّٰه عزوجل जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ़ येह है :

اَللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَانْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَام

तरजमा : ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! हम पर इ़ल्मो ह़िक्मत के दरवाज़े खोल दे और हम पर अपनी रह़मत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ़-ज़मत और बुज़ुर्गी वाले।

(المُستطرَف ج١ص٤٠ دارالفكر بيروت)

नोट : अव्वल आख़िर एक एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये।

त़ालिबे ग़मे मदीना
व बक़ीअ़
व मग़्फ़िरत
13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

क़ियामत के रोज़ ह़सरत

फ़रमाने मुस्त़फ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم : सब से ज़ियादा ह़सरत क़ियामत के दिन उस को होगी जिसे दुन्या में इ़ल्म ह़ासिल करने का मौक़अ़ मिला मगर उस ने ह़ासिल न किया और उस शख़्स को होगी जिस ने इ़ल्म ह़ासिल किया और दूसरों ने तो उस से सुन कर नफ़्अ़ उठाया लेकिन इस ने न उठाया (या'नी उस इ़ल्म पर अ़मल न किया)। (تاريخ دمشق لابن عساكر ج٥١ص١٣٨ دارالفكر بيروت)

किताब के ख़रीदार मु-तवज्जेह हों

किताब की त़बाअ़त में नुमायां ख़राबी हो या सफ़ह़ात कम हों या बाइन्डिंग में आगे पीछे हो गए हों तो **मक-त-बतुल मदीना** से रुजूअ़ फ़रमाइये।

www.dawateislami.net

सेल्फ़ी के 30 इब्रतनाक वाक़िआ़त

येह रिसाला **(सेल्फ़ी के 30 इब्रतनाक वाक़िआ़त)**

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रत अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه ने **उर्दू** ज़बान में तह़रीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को **हिन्दी** रस्मुल ख़त़ में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअ़ए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्त़लअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबित़ा : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस,
अलिफ़ की मस्जिदके सामने, तीन दरवाज़ा,
अह़मदआबाद-1, गुजरात Mo. 9374031409
E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ؕ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ؕ

येह रिसाला (18 सफ़हात) मुकम्मल पढ़ लीजिये, اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ इस को दुन्या व आख़िरत के लिये मुफ़ीद पाएंगे ।

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

सरकारे मदीनए मुनव्वरह, सरदारे मक्कए मुकर्रमा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم का फ़रमाने ब-र-कत निशान है : ऐ लोगो ! बेशक बरोज़े क़ियामत उस की दह्शतों और हिसाब किताब से जल्द नजात पाने वाला शख़्स वोह होगा जिस ने तुम में से मुझ पर दुन्या के अन्दर ब कसरत **दुरूद शरीफ़** पढ़े होंगे । **(اَلْفِردَوس بمأثور الْخِطاب ج ٥ ص ٢٧٧ حديث ٨١٧٥)**

صَلُّوْا عَلَى الْحَبِيْب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

इस रिसाले में मौजूद सेल्फ़ी के बारे में वाक़िआत वग़ैरा ज़ियादा तर **NET** से हासिल किये गए हैं ।

www.dawateislami.net

﴾1﴿ चोर कैसे गिरिफ़्तार हुवा ?

फ़्रान्स के शह्र ''रोशफ़ोग़'' (Rochefort) में मोबाइल फ़ोन चोरी करने वाला 22 सालह नौ जवान **सेल्फ़ी** (Selfie) बनाने के शौक़ की वज्ह से गिरिफ़्तार हो गया । एक अख़्बारी इत्तिलाअ़ के मुत़ाबिक़ उस मुल्ज़म ने जूलाई के महीने में उसी शह्र से एक शख़्स का मोबाइल फ़ोन चोरी किया था । काफ़ी दिन गुज़र जाने के बा'द उस ने शह्र में घूमते फिरते उस फ़ोन से अपनी एक **सेल्फ़ी** बनाई लेकिन उसे येह इल्म नहीं था कि इस स्मार्ट फ़ोन के मालिक ने फ़ोन की सेटिंग्ज़ (Settings) ऐसी कर रखी थीं कि इस के ज़रीए़ उतारी गई हर तस्वीर ख़ुद बख़ुद उस शहरी के घर के कम्पयूटर पर मुन्तक़िल हो जाती थी । उस मुल्ज़म ने जैसे ही अपनी **सेल्फ़ी** बनाई, वोह फ़ौरन फ़ोन के मालिक के घर पर उस के कम्प्यूटर तक पहुंच गई ! उस ने वोह तस्वीर बिला ताख़ीर पोलीस तक पहुंचा दी जिस के नतीजे में पोलीस **सेल्फ़ी** में दिखाई दी जाने वाली जगह पर पहुंची और उस चोर को गिरिफ़्तार कर लिया ।

जानबूझ कर हलाकत पर पेश होना ह़राम है

मीठे मीठे इस्लामी भाइयो ! सेल्फ़ी (Selfie, या'नी अपनी तस्वीर ख़ुद लेने) का शौक़ आज कल उ़रूज पर है । अब से चन्द साल पहले तक **सेल्फ़ी** (Selfie) का लफ़्ज़ ही इंग्लिश लुग़त में मौजूद नहीं था ! 2013 ई. में इस लफ़्ज़ को न सिर्फ़ डिक्शनरी में शामिल किया गया बल्कि इसे इस साल का ''अहम तरीन लफ़्ज़'' भी क़रार दिया गया ! **सेल्फ़ी** बना कर सोश्यल मीडिया पर नश्र कर के पसन्द (Like) और ना पसन्द (Dislike) के तअस्सुरात का मुत़ा-लबा भी किया जाता है । कम वक़्त में ज़ियादा से ज़ियादा शोहरत पाने के लिये मश्हूर शख़्सय्यात,

बुलन्दो बाला इ़मारात, आबशारों, बल्कि शेर और मगरमच्छ जैसे ख़ूंख़ार जानवरों, शार्क जैसी ख़त़रनाक मछलियों और चलती ट्रेनों के सामने **सेल्फ़ी** लेने के शौक़ में अपनी जानों को ख़त़रे में डालने वाले लोग भी काफ़ी ता'दाद में दुन्या के अन्दर पाए जाते हैं । याद रहे ! बिला मस्लह़ते शर-ई जानबूझ कर अपने आप को हलाकत पर पेश करना गुनाह व ह़राम और जहन्नम में ले जाने वाला काम है । **अल्लाह तआ़ला** पारह 2 **सू-रतुल ब-क़रह** आयत 195 में इर्शाद फ़रमाता है :

وَلَا تُلْقُوْا بِاَیْدِیْكُمْ اِلَى التَّهْلُكَةِۛ

तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : और अपने हाथों हलाकत में न पड़ो ।

सेल्फ़ी के नुक़्सानात

सेल्फ़ी के क्या फ़ाएदे हैं येह तो इस के शाइक़ीन से पूछिये ! हो सकता है वोह यादगार, ह़ैरान कुन और दिलचस्प मन्ज़र के ह़वाले से **सेल्फ़ी** को मुफ़ीद क़रार दें लेकिन मुख़्तलिफ़ सूरतों में इस के नुक़्सानात की फ़ेहरिस्त फ़वाइद से कहीं त़वील है, म-सलन ❁ **सेल्फ़ी** का शौक़ पूरा करने के लिये वक़्त जैसी क़ीमती शै ज़ाएअ़ करना पड़ती है ❁ माल ख़र्च होता है ❁ इन्सानी सिह़्ह़त को नुक़्सान पहुंचता है ❁ ख़त़रनाक और ह़ैरान कुन सेल्फ़ीज़ का शौक़ जान भी ले सकता है ❁ ''नो सेल्फ़ी ज़ोन'' में **सेल्फ़ी** बनाने पर क़ानून की ख़िलाफ़ वर्ज़ी पर सज़ा हो सकती है ❁ बेहूदा सेल्फ़ीज़ की वज्ह से बे ह़याई फैलती है ❁ बा'ज़ नादान लड़कियां अपनी **सेल्फ़ी** सोश्यल मीडिया पर डाल देती हैं, गन्दे ज़ेह्न के लोग जदीद टेक्निक के ज़रीए़ उन तसावीर की ''गन्दी तरकीब'' बना कर उस की इ़ज़्ज़त को ख़ाक में मिला सकते हैं ❁ मोबाइल फ़ोन बिल ख़ुसूस सोश्यल मीडिया और **सेल्फ़ी** में गुम रहने वाले लोग घर के अफ़राद

www.dawateislami.net

को वक़्त देने में नाकाम होने की सूरत में बन्दों की ह़क़ त-लफ़ियों के गुनाहों में पड़ने के साथ साथ घर में झगड़ों का भी बाइ़स बन सकते हैं।

''वक़्त लेवा'' शौक़

येह शौक़ ''वक़्त लेवा'' है क्यूं कि **सेल्फ़ी** लेने के लिये ह़ैरान कुन जगह का इन्तिख़ाब करना, कई कई घन्टे सर्फ़ कर के उस जगह तक पहुंचना, फिर उस **सेल्फ़ी** को सोश्यल मीडिया पर आ़म करना और इस के बा'द उस का फ़ीडबेक (Feedback) चेक करना कि कितने लोगों ने लाईक (Like) किया है और डिस लाईक (Dislike) करने वाले कितने हैं, इन तमाम कामों में काफ़ी वक़्त ख़र्च हो जाता है। याद रखिये ! अवक़ात व लम्ह़ात अनमोल हीरे हैं, इन की अहम्मिय्यत बयान करते हुए हमारे प्यारे आक़ा صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने फ़रमाया : نِعْمَتَانِ مَغْبُوْنٌ فِيْهِمَا كَثِيْرٌ مِّنَ النَّاسِ الصِّحَّةُ وَالْفَرَاغُ ۔ या'नी ''दो ने'मतें हैं जिन में बहुत से लोग घाटे (या'नी नुक़्सान) में हैं ﴿1﴾ सिह़्ह़त व ﴿2﴾ फ़राग़त।'' (بُخاری ج٤ ص٢٢٢ حدیث٦٤١٢)

ग़ौर कीजिये कि हर आने वाली सुब्ह़ डबल बारह घन्टे साथ लाती है, यूं अमीर हो या ग़रीब, मर्द हो या औ़रत, बच्चा हो या बूढ़ा, उस्ताद हो या त़ालिबुल इ़ल्म (बशर्ते ज़िन्दगी) उसे रोज़ाना दिन रात के 1440 मिनट की दौलत बिग़ैर किसी मेह़नत के मिल जाती है, ई-सवी साल के ह़िसाब से इन मिनटों को जम्अ़ किया जाए तो 365 दिन में 5 लाख 25 हज़ार 600 मिनट या 8 हज़ार 7 सो 60 घन्टे बनते हैं। इस दौलत को इन्सान चाहे तो ज़ाएअ़ कर दे और चाहे तो इस से नफ़्अ़ या'नी फ़ाएदा उठा ले। वक़्त वोह दौलत है जो ज़ख़ीरा (STORE) नहीं की जा सकती, आप इस से फ़ाएदा न भी उठाएं तब भी येह गुज़र जाता है जैसे बर्फ़ कि येह

इस्ति'माल न भी हो तब भी पिघल कर ख़त्म हो जाती है। अब दियानत दारी से बताइये कि जो वक़्त अच्छे और नेक कामों में गुज़ार कर आख़िरत की भलाइयों के हुसूल में इस्ति'माल हो सकता है उसे **सेल्फ़ी** और दीगर फ़ुज़ूलिय्यात में गुज़ारना ख़सारे (या'नी नुक़्सान) का सौदा है या नहीं ?

''माल लेवा'' शौक़

सेल्फ़ी (Selfie) का शौक़ मुफ़्त में पूरा नहीं होता बल्कि अच्छे से अच्छा मोबाइल या केमरा ख़रीदा जाता है, इन्टरनेट की फ़ीस भी जेब से दी जाती है, हाथ में मोबाइल पकड़ कर **सेल्फ़ी** लेने का दौर भी पुराना हुवा, अब तो **सेल्फ़ी** लेने के लिये त़रह़ त़रह़ के आलात मन्ज़रे आ़म पर आ रहे हैं जो ज़ाहिर है रक़म ही के ज़रीए ख़रीदे जाते हैं।

﴾2﴿ सांप के साथ सेल्फ़ी महंगी पड़ी

एक अमरीकी शख़्स को सांप के साथ **सेल्फ़ी** लेने का शौक़ बेदार हुवा, वोह जब **सांप** के साथ **सेल्फ़ी** बनाने लगा तो **सांप** ने मौक़अ़ पा कर उस के बाज़ू पर डस लिया और झाड़ियों में फ़रार हो गया। **सांप** के ज़ह्र ने तेज़ी से अपना असर दिखाना शुरूअ़ किया, अमरीकी के मुंह से झाग निकलने लगा और वोह दर्द की शिद्दत से बुरी त़रह़ तड़पने लगा। उसे त़िब्बी इमदाद देने के लिये क़रीबी अस्पताल ले जाया गया जहां ज़ह्र के ख़ातिमे के लिये ख़ुसूसी तिरयाक़ (या'नी ज़ह्र का उतारा) दिया गया, और कई एक इन्जेक्शन लगाने पड़े। सिह़्ह़त याबी के बा'द जब अमरीकी को अस्पताल इन्तिज़ामिया की जानिब से बिल दिया गया तो उस की आंखें एक बार फिर फटी की फटी रह गईं क्यूं कि **उस की सेल्फ़ी के शौक़ ने अस्पताल का बिल एक लाख डॉलर** (तक़रीबन एक करोड़

www.dawateislami.net

पाकिस्तानी रुपै) **से ज़ाइद बना दिया था !** उस अमरीकी के पास एक साल से ज़ाइद अ़र्से से एक और सांप मौजूद था लेकिन इस वाक़िए़ से वोह इस क़दर ख़ौफ़ज़दा हुवा कि उसे भी जंगल में ले जा कर आज़ाद कर दिया।

﴾3﴿ ऑपरेशन के दौरान सेल्फ़ी लेने वाले डॉक्टर्ज़

चीन के शिमाल मग़रिबी सूबे "शांची" के प्राईवेट अस्पताल में डॉक्टरों पर **सेल्फ़ी** बनाने का ऐसा भूत सुवार हुवा कि वोह ऑपरेशन के दौरान भी **सेल्फ़ी** बनाने में मसरूफ़ रहे, किसी ने विक्ट्री (फ़त्ह़) का निशान बनाया तो किसी ने मुस्कुराने का पोज़ दिया। तस्वीरें मन्ज़रे आ़म पर आने के बा'द महकमए सिह़्ह़त के हुक्काम ने ग़फ़्लत बरत्ने पर तीन सीनियर डॉक्टरों को ओ़हदे से बर-त़रफ़ कर दिया। जब कि तस्वीर में नज़र आने वाले दीगर अ़मले को सर-ज़निश (या'नी डांट डपट) की गई और साथ ही साथ उन की तीन माह की तन-ख़्वाहें भी रोक दी गईं। अस्पताल इन्तिज़ामिया ने इस अ़मल पर अ़वाम से मुआ़फ़ी मांगते हुए कहा कि इस ऑपरेशन थियेटर में येह आख़िरी ऑपरेशन था इस लिये डॉक्टर्ज़ की जानिब से येह ह़-र-कत सामने आई।

सिह़्ह़त को नुक़्सान पहुंचाने वाला शौक़

ओहाइयो यूनीवर्सिटी की शाएअ़ कर्दा तह़क़ीक़ के मुत़ाबिक़ सोश्यल मीडिया के सेकड़ों शाइक़ीन की जांच की गई, जिस में येह बात सामने आई कि जो लोग काफ़ी ज़ियादा सेल्फ़ीज़ शाएअ़ करते हैं उन में नफ़्सियाती बीमारी के शुबहात और ज़ेहनी अमराज़ के ख़दशात (या'नी ख़त़रात) भी ज़ियादा होते हैं। जब कि लन्दन के त़िब्बी माहिरीन का कहना है कि स्मार्ट फ़ोन से ज़ियादा सेल्फ़ीज़ लेना न सिर्फ़ चेहरे की जिल्द

(SKIN) को मु-तअस्सिर करता है बल्कि इस से चेहरे पर झुर्रियां भी पड़ती हैं। माहिरीन के मुताबिक़ स्मार्ट फ़ोन से ख़ारिज होने वाली रोशनी और इलेक्ट्रो मेग्नेटिक रेडीएशन (Electromagnetic radiation) चेहरे की जिल्द (SKIN) को नुक़्सान पहुंचाती है, इस से बुढ़ापे की त़रफ़ सफ़र तेज़ हो जाता और चेहरे पर झुर्रियां उभर आती हैं।

''जान लेवा'' शौक़

सेल्फ़ी का शौक़ जान लेवा भी साबित हो सकता है, **सेल्फ़ी** के शौक़ीन अफ़राद अ़वामी मक़ामात पर अ़जीबो ग़रीब ह़-रकात करते हुए अपनी और दूसरों की सलामती को ख़त़रात में डाल देते हैं जिस का नतीजा अस्पताल का बेड या मौत का बिस्तर होता है। एक अख़्बारी इत्तिलाअ़ के मुताबिक़ 2014 ई. से 2016 ई. तक **सेल्फ़ीज़** लेने के जुनून में कमो बेश 49 अम्वात वाक़ेअ़ हो चुकी हैं, फ़ौत शुदगान अफ़राद में ज़ियादा तर 21 साल की उ़म्र तक के हैं और 75 फ़ीसद मर्द हैं। **सेल्फ़ी** के लिये सब से ज़ियादा ख़त़रनाक मक़ाम बुलन्दी या पानी है। 16 अफ़राद ऊंची ढलवानों या चट्टानों से गिर कर, 14 अफ़राद डूब कर और 8 अफ़राद ट्रेनों से टकरा कर फ़ौत हो गए। चार गोली चलने से, दो ग्रेनेड से, दो त़य्यारों से टकरा कर, दो कार की टक्कर से और एक जानवर के ह़म्ले से फ़ौत हुवा। ज़ियादा तर अम्वात ''हिन्द'' में हुईं, इसी लिये हिन्द में 16 मक़ामात पर **सेल्फ़ी** लेना मम्नूअ़ क़रार दे दिया गया है। दूसरे नम्बर पर ''रूस'' है जब कि **सेल्फ़ीज़** से होने वाली अम्वात में पाकिस्तान दसवें नम्बर पर है। बत़ौरे इ़ब्रत चन्द मुन्तख़ब वाक़िआ़त मुला-ह़ज़ा कीजिये :

www.dawateislami.net

﴾4﴿ दस्ती बम के साथ सेल्फ़ी

रूस में पहाड़ की चोटी पर दो नौ जवान उस वक़्त इन्तिक़ाल कर गए, जब उन्हों ने एक दस्ती बम की पिन निकालते हुए उस के साथ **सेल्फ़ी** बनाने की कोशिश की।

﴾5﴿ ताज महल की सीढ़ियों से गिर कर फ़ौत हो गया

जापान का एक सय्याह मश्हूर तारीख़ी इमारत ताज महल (आगरा, हिन्द) में "रोयल गेट" की सीढ़ियां चढ़ते हुए **सेल्फ़ी** लेने की कोशिश के दौरान गिर कर जान की बाज़ी हार गया।

﴾6﴿ मां बाप और बेटी पानी में बह गए

ख़ैबर पख़्तूं ख़्वाह (पाकिस्तान) के एक गाउं "बीसियां" के क़रीब दरियाए कुन्हार के किनारे 11 सालह लड़की **सेल्फ़ी** ले रही थी कि अचानक उस का पाउं फिसला और वोह दरिया में जा गिरी, मां ने अपनी बेटी को बचाने के लिये दरिया में छलांग लगाई तो वोह भी पानी में बह गई, मां बेटी को डूबते देख कर बेटी का बाप भी दरिया में कूद गया और वोह भी बेचारा डूब गया। लड़की के मां बाप का तअ़ल्लुक़ सूबए पंजाब (पाकिस्तान) से था और दोनों डॉक्टर थे और छुट्टियों में सैरो तफ़रीह़ के लिये वहां गए थे, मज़्कूरा डॉक्टर और लेडी डॉक्टर की एक 9 सालह बेटी और एक 6 साल का बेटा भी है जो ह़ादिसे के वक़्त वहां मौजूद थे। आह! **सेल्फ़ी** के शौक़ ने ज़िन्दा रह जाने वाली बच्ची और बच्चे से उन की बड़ी बहन और मां बाप को छीन कर उन्हें यतीम व बे सहारा कर दिया!

﴾7﴿ 17वीं मन्ज़िल से नीचे जा गिरी

बारह सालह रूसी लड़की **सेल्फ़ी** लेते हुए बालकुनी (BALCONY) से नीचे गिर कर फ़ौत हो गई। तफ़्सीलात के मुत़ाबिक़ वोह 17वीं मन्ज़िल पर वाक़ेअ़ अपने फ़्लेट की रेलिंग (Railing) पर बैठ कर **सेल्फ़ी** बनाने की कोशिश में अपना तवाज़ुन (Balance) बर क़रार न रख सकी और नीचे जा गिरी। वोह अपनी मां को येह कह कर गई थी कि "हवा ख़ोरी के लिये छत पर जा रही हूं।" लेकिन छत पर जाने की बजाए बालकुनी में **सेल्फ़ी** लेने पहुंच गई। पोलीस के मुत़ाबिक़ उस लड़की ने येह तस्वीर अपनी एक सहेली को भेज दी, सहेली ने महसूस किया कि येह तस्वीर ख़त़रनाक जगह पर ली गई है, लिहाज़ा उस ने फ़ौरी त़ौर पर उसे फ़ोन किया मगर फ़ोन रीसीव (Receive) न हो सका फिर उस सहेली ने येह तस्वीर उस की मां को भिजवा दी मगर उस वक़्त तक लड़की नीचे गिर कर दम तोड़ चुकी थी। एक राहगीर ने पोलीस को लड़की की लाश के बारे में इत्तिलाअ़ दी।

﴾8﴿ तैराकी के दौरान सेल्फ़ी लेना जान लेवा साबित हुवा

शम्सआबाद के अ़लाक़े "कोतवाल गोड़ा" ह़ैदरआबाद (हिन्द) में दो नौ जवान तैराकी के दौरान **सेल्फ़ी** लेते हुए पानी में डूब गए। तफ़्सीलात के मुत़ाबिक़ ह़ैदरआबाद (हिन्द) के 14 नौ जवान "कोतवाल गोड़ा" में तैराकी (स्वीमिंग, Swimming) के लिये आए, उन में से कोई भी तैरना नहीं जानता था। उन में से दो नौ जवान जिन की उ़म्रें बित्तरतीब 17 और 18 साल थी, **सेल्फ़ी** ले रहे थे कि फिसल कर एक गढ़े में जा फंसे और डूब कर फ़ौत हो गए।

﴾9﴿ सफ़ेद शेर का निवाला बन गया

देहली (हिन्द) के एक चिड़िया घर (Zoo) में एक नौ जवान **सेल्फ़ी** बनाने के लिये कोई अनोखी जगह तलाश करते करते **सफ़ेद शेर** के पिंजरे के पास जा पहुंचा और जैसे ही **सेल्फ़ी** बनाने के लिये तय्यार हुवा शेर ने उस को दबोच लिया और वोह मौक़अ़ पर ही ख़त्म हो गया।

﴾10﴿ सेल्फ़ी लेते हुए पिस्तोल चल गया

मर्कज़ुल औलिया (लाहोर पाकिस्तान) का 22 सालह नौ जवान 2016 ई. में **सेल्फ़ी** लेने की दीवानगी का ग़ालिबन पहला शिकार बना। पोलीस के मुताबिक़ नौ जवान अपने दोस्त के हमराह अपने सीने पर अस्ली पिस्तोल रख कर **सेल्फ़ी** बना रहा था कि ग़-लती से ट्रीगर दब गया, उसे फ़ौरी तौर पर क़रीबी अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन वोह जां-बर न हो सका।

﴾11﴿ ट्रेन की टक्कर

दिसम्बर 2015 ई. में रावलपिन्डी (पाकिस्तान) में एक नौ जवान रेल्वे ट्रेक पर खड़े हो कर चलती ट्रेन के साथ **सेल्फ़ी** लेने की कोशिश कर रहा था मगर बद क़िस्मती से ट्रेन से टकरा जाने की वज्ह से मौक़अ़ पर ही दम तोड़ गया।

﴾12﴿ औ़रत ट्रेन से नीचे गिर गई

''कोलम्बो'' में 25 सालह चीनी औ़रत उस वक़्त ट्रेन से बाहर जा गिरी जब वोह अपने मोबाइल फ़ोन के ज़रीए ट्रेन के फ़ुटबोर्ड (Foot Board) पर **सेल्फ़ी** उतार रही थी। उस को अस्पताल ले जाया गया लेकिन ज़ख़्मों की ताब न ला कर चल बसी।

﴾13﴿ खिलोना पिस्तोल के साथ सेल्फ़ी मौत का सबब बनी

स्कूल के दो त़ालिबे इल्म खिलोना पिस्तोल के साथ **सेल्फ़ी** ले कर सोश्यल मीडिया पर पोस्ट करने के शौक़ में पोलीस की अस्ली पिस्तोल का निशाना बन गए। दोनों त़-लबा पार्क में खड़े खिलोना पिस्तोल के साथ **सेल्फ़ी** बना रहे थे कि मक़ामी पोलीस ने डाकू समझ कर उन पर फ़ायरिंग कर दी। फ़ायरिंग के नतीजे में एक त़ालिबे इल्म शदीद ज़ख़्मी हो गया और अस्पताल में अपनी जान से हाथ धो बैठा। येह अफ़्सोस नाक वाक़िआ़ जून 2015 में पाकिस्तान के शह्र सरदारआबाद (फ़ैसलआबाद) में पेश आया।

﴾14﴿ अनोखी सेल्फ़ी ने मौत की नींद सुला दिया

मई 2015 ई. में ''रूमानिया'' की अठ्ठारह सालह लड़की अपनी सहेली के हमराह रेल्वे स्टेशन पहुंची ताकि वोह एक **अनोखी सेल्फ़ी** बना कर सोश्यल मीडिया (social media) पर पोस्ट कर सके, लेकिन ट्रेन की छत पर चढ़ कर बिजली की तारों पर हाथ लगा बैठी और देखते ही देखते तारों में मौजूद 27000 वोल्ट के दौड़ते करन्ट ने उसे मौत की नींद सुला दिया।

﴾15﴿ सेल्फ़ी की शाइक़ा त़ालिबा पुल से गिरी और.....

2014 ई. में नर्सिंग की 23 सालह त़ालिबा ''जुनूबी स्पेन'' में वाक़ेअ़ एक पुल पर **सेल्फ़ी** लेने की कोशिश में अपना तवाज़ुन (Balance) बर क़रार न रख सकी और 15 फ़ुट नीचे कंक्रेट से बने स्ट्रक्चर (Structure) पर जा गिरी, अस्पताल पहुंचाई गई मगर वहां ज़ख़्मों की ताब न लाते हुए चल बसी।

﴾16﴿ सेल्फ़ी बनाने वाली को जब करन्ट का ज़ोरदार झटका लगा.....

रूस के शहर ''सेन्ट पीटर्ज़बर्ग'' के रेल्वे पुल के बुलन्द तरीन मक़ाम पर 17 सालह लड़की **सेल्फ़ी** बनाना चाहती थी कि इसी कोशिश के दौरान 1500 वोल्ट के दौड़ते करन्ट की तारों से टकरा गई और करन्ट के झटके ने उसे पुल से 30 फ़ुट नीचे फेंक दिया जिस से उस की मौत वाक़ेअ़ हो गई।

﴾17﴿ सेल्फ़ी के शौक़ ने समुन्दर में बहा दिया !

''फ़िलपाइन'' में 18 सालह लड़की अपनी सहेली की सालगिरह के मौक़अ़ पर समुन्दर की लहरों के दरमियान ''ग्रूप सेल्फ़ी'' लेते हुए डूब कर फ़ौत हो गई। इन्जीनियरिंग (Engineering) की त़ालिबा को समुन्दर की लहरें उस वक़्त बहा कर ले गईं जब वोह अपनी हमजोलियों के हमराह **सेल्फ़ी** बनाने में मसरूफ़ थी।

﴾18﴿ मियां बीवी पहाड़ से गिर कर हलाक

अगस्त 2014 ई. में पुर्तगाल के काबो डा रोका (Cabo da Roca) नामी पहाड़ की चोटी के किनारे पर खड़े हो कर मियां बीवी अपने बच्चों के हमराह **सेल्फ़ी** लेने की कोशिश कर रहे थे, इस दौरान पैर फिसलने के बाइ़स वोह दोनों नीचे जा गिरे और अपनी जान से हाथ धो बैठे। बच्चों ने मां बाप को अपनी आंखों के सामने मौत की आग़ोश में जाते हुए देखा।

﴾19﴿ पुल से लटक कर सेल्फ़ी

जून 2016 ई. में यूनीवर्सिटी का 17 सालह स्टूडन्ट उस वक़्त फ़ौत हो गया जब वोह ''मास्को'' के एक पुल से लटक कर **सेल्फ़ी** बनाने की कोशिश कर रहा था। इस से क़ब्ल वोह रूस के शहर ''वोलोगडा'' में बुलन्द छतों से अपनी कई तसावीर बना चुका था।

﴾20﴿ 1640 फ़ुट गहरे आबशार में जा गिरा

सेल्फ़ी लेने के दौरान 28 सालह कोरियन सय्याह एमेज़ोन जंगल के गहरे आबशार में गिर कर मौत का शिकार हो गया। मज़्कूरा नौ जवान **सेल्फ़ी** लेते हुए तवाज़ुन (Balance) बर क़रार न रख सका और फिसल कर 1640 फ़ुट गहरे आबशार में जा गिरा, सय्याह की लाश बहती बहती 7 मीटर गहरी झील में जा पहुंची जहां से रेस्क्यू इदारे के तैराकों ने लाश को निकाल कर क़रीबी अस्पताल में मुन्तक़िल कर दिया।

﴾21﴿ दो क़रीबी रिश्तेदार दरिया में डूब गए

सेल्फ़ी के जुनून ने सूबए ख़ैबर पख़्तूं ख़्वाह (पाकिस्तान) की ''वादिये काग़ान'' में हफ़्ते के रोज़ एक मर्द और एक औरत की जान ले ली। वाक़िआ कुछ यूं है कि दरियाए कुन्हार के किनारे पथ्थर पर खड़े हो कर 29 सालह नौ जवान **सेल्फ़ी** ले रहा था कि उस का पाउं फिसला और वोह दरियाए कुन्हार में गिर गया, उस को बचाने की ख़ातिर उस की क़रीबी अ़ज़ीज़ा ने भी दरिया में छलांग लगा दी और दोनों डूब गए। मक़ामी ऐनी शाहिद ने बताया कि नौ जवान पथ्थर पर खड़े हो कर **सेल्फ़ी** ले रहा था, मैं उस को मन्अ़ करने ही वाला था कि उस का पाउं फिसला और वोह दरिया में गिर गया।

﴾22﴿ सांप ने डस लिया

सराए आ़लमगीर (पंजाब, पाकिस्तान) सांप के साथ **सेल्फ़ी** बनाने वाला 26 सालह नौ जवान सांप के डसने से मौत की आग़ोश में जा सोया । मज़्कूरा नौ जवान ''बन्नूं'' का रिहाइशी था और अपने रिश्तेदारों को मिलने ''सराए आ़लमगीर'' आया हुवा था ।

(जंग अख़्बार ऑन लाइन, 12 अक्तूबर 2016 ई.)

﴾23﴿ सेल्फ़ी बनाते हुए पहाड़ी नाले में गिर पड़ा और.....

मर्कज़ुल औलिया (लाहोर, पाकिस्तान) का रिहाइशी एक शख़्स वादिये नीलम के पुर फ़ज़ा मक़ाम कुटन में ''जागरान नदी'' के पुल पर खड़ा हो कर सेल्फ़ी बना रहा था कि पाउं फिसलने की वज्ह से नदी में जा गिरा, दीगर दोस्तों ने ज़ख़्मी ह़ालत में बहते हुए नौ जवान को निकाल कर त़िब्बी इमदाद के लिये फ़ौजी अस्पताल में मुन्तक़िल किया लेकिन वोह जां-बर न हो सका, मु-तवफ़्फ़ा (या'नी फ़ौत होने वाले) की लाश को तदफ़ीन के लिये वु-रसा के ह़वाले कर दिया गया । (ऐज़न, 12 जूलाई)

﴾24﴿ 2 नौ जवान डूब गए जब कि.....

हाला (सिन्ध) में **सेल्फ़ी** लेते हुए 2 नौ जवान दरिया में गिर कर डूब गए तीसरे को बचा लिया गया । तीनों नौ जवान दरियाए सिन्ध के किनारे खड़े हो कर **सेल्फ़ी** बना रहे थे कि पाउं फिसलने से दरिया में गिर गए, मौक़अ़ पर मौजूद मल्लाहों (Sailors) ने एक नौ जवान को ज़िन्दा निकाल लिया ताहम दो डूब गए । (ऐज़न, 11 जूलाई)

﴾25﴿ बन्दूक़ पकड़ कर सेल्फ़ी बनाने वाले की जान गई

गोजरांवाला (पंजाब, पाकिस्तान) बन्दूक़ पकड़ कर **सेल्फ़ी** बनवाने

वाला नौ जवान अचानक हाथ ट्रीगर पर आ जाने से गोली लगने से फ़ौत हो गया। चमन शाह रोड का नौ जवान र-मज़ानुल मुबारक में तरावीह़ की नमाज़ पढ़ने के लिये मक़ामी मस्जिद में गया, जहां उस ने सिक्यूरीटी गार्ड से बन्दूक़ ले कर **सेल्फ़ी** उतरवाने की ज़िद की, कि अचानक हाथ ट्रीगर पर आ गया और गोली पेट में जा लगी जिस से वोह शदीद ज़ख़्मी हो गया, त़िब्बी इमदाद के लिये अस्पताल दाख़िल करवा दिया गया, बा'द अज़ां लाहोर के अस्पताल ले जाया गया जहां वोह ज़ख़्मों की ताब न लाते हुए दम तोड़ गया। (ऐज़न, 24 जून)

﴾26﴿ गोली चलने से 43 सालह शख़्स फ़ौत

अनोखे और अ़जीबो ग़रीब अन्दाज़ में **सेल्फ़ी** लेने के दौरान ज़िन्दगी की बाज़ी हार जाने की बात अब कुछ नई नहीं रही, "अमरीका" में एक शख़्स अपने दोस्त के साथ पिस्तोल हाथ में लिये **सेल्फ़ी** ले रहा था कि अचानक गोली चल गई और वोह मौक़अ़ पर ही फ़ौत हो गया। पोलीस के मुत़ाबिक़ **सेल्फ़ी** लेने के दौरान वोह शख़्स कई बार पिस्तोल गोलियों से ख़ाली करता और भरता रहा जब कि इस अ़मल में पिस्तोल से गोलियां निकालते वक़्त एक गोली उसी में रह गई और उस के दोस्त ने समझा कि अब पिस्तोल में गोली नहीं जिस पर उस ने पिस्तोल का ट्रीगर दबा दिया और उस में मौजूद गोली चल गई और वोह मौक़अ़ पर ही जान की बाज़ी हार गया। (ऐज़न, 4 मार्च)

﴾27﴿ सेल्फ़ी लड़की को महंगी पड़ी !

आज कल लोगों के सरों पर **सेल्फ़ी** लेने का भूत सुवार है बसा अवक़ात **सेल्फ़ी** लेते हुए आदमी अच्छी ख़ासी मुसीबत में पड़ जाता है,

www.dawateislami.net

चुनान्चे तुर्की की एक औ़रत को भी **सेल्फ़ी** का शौक़ महंगा पड़ गया। तुर्की के शहर Samsun के साहिले समुन्दर पर एक लड़की अपने मोबाइल फ़ोन से **सेल्फ़ी** लेने में मसरूफ़ थी कि पैर फिसलने से लड़-खड़ा गई, लड़-खड़ाते हुए उस के हाथ से पहले मोबाइल गिरा फिर ख़ुद भी दो पथ्थरों के दरमियान गिर कर फंस गई। दो घन्टे की सरतोड़ कोशिश के बा'द लड़की को ज़िन्दा बाहर निकाल लिया गया।

(जंग अख़्बार ऑन लाइन, 7 मई 2016 ई.)

﴾28﴿ 15 सालह लड़का शदीद ज़ख़्मी

भारती रियासत पंजाब में 15 सालह लड़का **सेल्फ़ी** लेने के दौरान सर में गोली लगने से शदीद ज़ख़्मी हो गया, येह ह़ादिसा उस वक़्त पेश आया जब वोह अपने वालिद की पिस्तोल के साथ **सेल्फ़ी** लेने की कोशिश कर रहा था कि गोली चल गई। (ऐज़न, 2 मई)

﴾29﴿ सेल्फ़ी लेते हुए कूंएं में जा गिरी

''जूनागढ़'' (गुजरात, हिन्द) में एक ऑस्ट्रेलवी सय्याह़ उस वक़्त मुसीबत में फंस गई जब वोह अपनी **सेल्फ़ी** लेते हुए अचानक कूंएं में जा गिरी। उस की चीख़ों की आवाज़ सुन कर लोग भाग कर आए और कूंएं से निकाल कर उस की जान बचा ली।

﴾30﴿ नन्ही डोल्फ़िन अपनी जान से गई

सेल्फ़ी के शाइक़ीन ने **सेल्फ़ी** बनाने के लिये **नन्ही डोल्फ़िन** को समुन्दर से निकाल लिया, पानी से निकाले जाने पर ''नन्ही डोल्फ़िन'' मर गई जिस पर वाइल्ड लाइफ़ के माहिरीन और लोगों में नाराज़ी का इज़्हार किया जा रहा है। फ़्रान्सिस्का नामी डोल्फ़िन की येह क़िस्म ह़ज्म

(या'नी जसामत) के ए'तिबार से दुन्या की सब से छोटी डोल्फ़िन है और येह अर्जन्टीना, ब्राज़ील और यूरागोय में ही पाई जाती है।

ह़ज व उ़म्रह और सेल्फ़ी

सफ़रे ह़ज व उ़म्रह के दौरान भी **सेल्फ़ी** के शाइक़ीन अपना शौक़ पूरा करते पाए जाते हैं, उन्हें जहां कोई मन्ज़र अच्छा लगता है झट **सेल्फ़ी** बनाते और सोश्यल मीडिया के ज़रीए उस की तश्हीर कर देते हैं। ह़-जरे अस्वद को बोसा देते वक़्त, सई और त़वाफ़ के दौरान भी **सेल्फ़ीज़** बनाई जाती हैं, जिस से त़वाफ़ व सई करने वालों की रवानी में फ़र्क़ आता है, लोग एक दूसरे पर गिर पड़ते हैं या फिर टकरा जाते हैं जिस से उन्हें परेशानी होती है, ख़ुद **सेल्फ़ी** बनाने वालों का ज़ौक़े इबादत मु-तअस्सिर होता है, सुनह्री जालियों के पास मुवा-जहा शरीफ़ के सामने ह़ाज़िरी के वक़्त भी **सेल्फ़ी** बनाने वाले पाए जाते हैं इस मक़्सद के लिये बा'ज़ बेबाक अपनी पीठ मुवा-जहा शरीफ़ की त़रफ़ कर लेते हैं। ऐ काश ! हमारा येह ज़ेह्न बन जाए कि सफ़रे ह़-रमैने त़य्यिबैन **सेल्फ़ी** बनाने के लिये नहीं सवाब कमाने के लिये होता है।

पहले दुआ़ की दर-ख़्वास्त करते थे अब सेल्फ़ी की फ़रमाइश

पिछले दिनों जब कोई मज़्हबी शख़्सिय्यत म-सलन पीर साह़िब, मुफ़्ती साह़िब वग़ैरा किसी के घर तशरीफ़ ले जाते या रास्ते में मिल जाते तो उ़मूमन उन से दुआ़ की इल्तिजा की जाती थी और अब सूरते ह़ाल येह है कि अगर कोई मश्हूर मज़्हबी शख़्सिय्यत कहीं नज़र आ जाए तो दुआ़ की दर-ख़्वास्त करने के बजाए बा'ज़ों की अव्वलीन कोशिश येह होती है कि उन के साथ **सेल्फ़ी** ले ली जाए।

www.dawateislami.net

इस्लाम की ख़ूबी

मीठे मीठे इस्लामी भाइयो ! ग़ैर ज़रूरी **सेल्फ़ी** की आ़दत निकालने के लिये करने के कामों में लग जाइये, اِنْ شَآءَاللہ عَزَّوَجَلَّ न करने के कामों से बच जाएंगे । हु़ज़ूर ताजदारे रिसालत, शहन्शाहे नुबुव्वत صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने इर्शाद फ़रमाया : **مِنْ حُسْنِ اِسْلَامِ الْمَرْءِ تَرْكُهٗ مَا لَا يَعْنِيْهِ** या'नी "आदमी के इस्लाम की ख़ूबियों में से येह ख़ूबी है कि वोह हर बे मक़्सद और फ़ुज़ूल काम छोड़ दे ।" **(ترمذی ج٤ ص١٤٢ حدیث ٢٣٤٤)**

मुफ़स्सिरे शहीर मुफ़्ती अह़मद यार ख़ान عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْمَنَّان लिखते हैं : या'नी कामिल मुसल्मान वोह है जो ऐसे कलाम ऐसा काम ऐसी ह़–रकातो स–कनात से बचे जो उस के लिये दीन या दुन्या में मुफ़ीद न हों, वोह काम या कलाम करे जो उसे या दुन्या में मुफ़ीद हो या आख़िरत में । سُبْحٰنَ الله ! इन दो कलिमों में दोनों जहान की भलाई वाबस्ता है ।

(मिरआतुल मनाजीह़, जि. 6, स. 465)

या रब्बल मुस्त़फ़ा ! हमें अपना वक़्त दोनों जहानों की भलाइयां दिलाने वाले कामों के लिये ख़र्च करने की तौफ़ीक़ अ़त़ा फ़रमा ।

اٰمِين بِجاهِ النَّبِيِّ الْاَمين صَلَّى اللهُ تعالىٰ عليه واٰله وسلَّم

صَلُّوْا عَلَى الْحَبِيْب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

येह रिसाला पढ़ लेने के बा'द सवाब की निय्यत से किसी को दे दीजिये

ग़मे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे ह़िसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का त़ालिब

रबीउ़ल आख़िर 1438 सि.हि.

जनवरी 2017 ई.

www.dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

वलियों के साथ उठाए जाने की दुआ

اَللّٰهُمَّ اَصْلِحْ اُمَّةَ مُحَمَّدٍ، اَللّٰهُمَّ فَرِّجْ عَنْ اُمَّةِ مُحَمَّدٍ، اَللّٰهُمَّ ارْحَمْ اُمَّةَ مُحَمَّدٍ[1]

फ़ज़ीलत : इर्शादे हज़रते मा'रूफ़े कर्ख़ी عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللّٰهِ الْكَافِي : "जो रोज़ाना **10** बार येह दुआ पढ़ेगा, उसे अब्दालों में लिखा जाएगा।"[2] या'नी क़ियामत में उस को अब्दालों (या'नी वलियों) के गुरौह में उठाया जाएगा। اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ

مدینہ

1 : तरजमा : ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! उम्मते मुहम्मदिय्यह की इस्लाह फ़रमा, ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! उम्मते मुहम्मदिय्यह से मुश्किलात दूर कर दे, ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! उम्मते मुहम्मदिय्यह पर रह़्म फ़रमा।

٢ : حلیۃ الاولیاء ج٨ص ٤١٠ رقم ١٢٧١٦۔

मुम्बई : 19, 20, मुहम्मद अ़ली रोड, मांडवी पोस्ट ऑफ़िस के सामने, मुम्बई फ़ोन : 022-23454429
देहली : 421, मटिया महल, उर्दू बाज़ार, जामेअ़ मस्जिद, देहली फ़ोन : 011-23284560
नागपूर : ग़रीब नवाज़ मस्जिद के सामने, सैफ़ी नगर रोड, मोमिन पुरा, नागपूर : (M) 09373110621
अजमेर शरीफ़ : 19/216 फ़लाहे दारैन मस्जिद, नाला बाज़ार, स्टेशन रोड, दरगाह, अजमेर फ़ोन : 0145-2629385
हैदरआबाद : पानी की टंकी, मुग़ल पुरा, हैदरआबाद फ़ोन : 040-24572786
हुब्ली : A.J. मुढोल कोम्पलेक्ष, A.J. मुढोल रोड, ओल्ड हुब्ली ब्रीज के पास, हुब्ली, कर्नाटक. फ़ोन : 08363244860

मक-त-बतुल मदीना®
दा'वते इस्लामी
फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बग़ीचे के सामने, मिरज़ापूर, अह़मदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net